an>

Title: Problems faced by Ayurvedic doctors in Delhi.

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली) : मैंडम, आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विÂषय पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

मैंडम, दिल्ली में लगभग पौने दो करोड़ की आबादी है। रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिसशनर डाक्टर्स यहां प्रैक्टिस करते हैं। वे बंगाल और नॉर्थ ईस्ट से वैद्य विशारद-वैद्य रत्न डिप्लोमा लेकर आते हैं। जब वे दिल्ली में प्रैक्टिस करते हैं तो दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन एवं दिल्ली मेडिकल काउंसिल, सुप्रीम कोर्ट में एक पेटीशन आने के बाद, उनको अवैध घोÂिषत कर देते हैं और उनको प्रैक्टिस नहीं करने दी जाती है। दिल्ली की पौने दो करोड़ की आबादी में लगभग सवा करोड़ लोग अनियमित कॉलोनीज, गांवों एवं झुग्गी बस्तियों में रहते हैं। वे डाक्टर्स 10 से 15 रुपये लेकर उनकी छोटी-मोटी बीमारियों, जैसे वायरल हो गया, बच्चे को ठोकर लग गयी, का इलाज करते हैं। वे लोग बड़े डाक्टर्स के पास नहीं जा सकते हैं क्योंकि उनकी कन्सल्टेशन फीस 500 रुपये होती है। बड़े-बड़े अस्पतालों की फीस होती है। सरकारी अस्पतालों में बोझ रहता है। 40 हजार डॉक्टर्स हैं। 10 हजार दिल्ली में प्रैक्टिस कर रहे हैं। उनकी रोजी-रोटी का सवाल है ही, लेकिन गरीब आदमी को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं मिल जाएं तो उनके वहां रेड डालकर उन पर बैन लगाया जाता है। मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि उन आर.एम.पी. डॉक्टर्स की रोजी-रोटी की चिंता की जाए। 40 हजार का वह परिवार है। उसके साथ साथ जो एक करोड़ गरीब परिवार है, जो महंगी दवाइयों के कारण से इलाज कराने में सक्षम नहीं हैं, क्योंकि जो जज वगैरह होते हैं, ये जब इलाज कराने जाते हैं तो ये 'एम्स' वगैरह में बड़े डॉक्टर्स के पास इलाज कराने जाते हैं। उनके प्रैशर में आकर उन्होंने उन गरीब लोगों के खिलाफ आदेश कर दिया। मोदी जी की सरकार गरीबों के लिए ही सारी योजनाएं- चाहे वह सुरक्षा बीमा हो या जीवन बीमा हो, चलाती है और गरीबों के उत्थान के लिए तथा गरीबों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिले, इसके लिए मोदी जी की सरकार प्रतिबद्ध है। इसलिए मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि ये जो डॉक्टर्स हैं, कांग्रेस के समय में भी हैल्थ मिनिस्टर एम.बी.बी.एस. थे और बीजेपी के समय में भी जो हैल्थ मिनिस्टर थे, वह दिल्ली के एम.बी.बी.एस. थे। ये भी एम.बी.बी.एस. डॉक्टर्स इसको परस्यू करते ही नहीं हैं, इसलिए वे गरीबों के बारे में सोचते ही नहीं हैं। इसलिए मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि डॉक्टर्स और गरीब लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रैक्टिस करने की परमिशन दी जाए। यहां पर पार्लियामेंट में ऑर्डिनेंस लाया जाए कि जो सवा करोड़ गरीब लोग हैं, जो उन डॉक्टर्स से सस्ती दरों पर वायरल वगैरह का ले रहे हैं, उनकी तरफ ध्यान दिया जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : ऐसे मत बोलिए कि एम.बी.बी.एस. गरीब का इलाज नहीं करते। ऐसे नहीं बोलते।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री रोड़मल नागर और कुंवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चंदेल को श्री रमेश बिधूड़ी जी द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।